परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, नरौरा (बुलन्दशहर)

हिन्दी–11

पुस्तक– अभिव्यक्ति और माध्यम

पाठ– जनसंचार माध्यम

मॉड्यूल–1/1

संचार शब्द की व्युत्पत्ति 'चर' धातु से हुई है जिसका अर्थ है चलना या एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचना। संचार सिर्फ दो व्यक्तियों तक सीमित परिघटना नहीं है। यह हजारों–लाखों लोगों के बीच होने वाले जनसंचार तक विस्तृत है। अतः सूचनाओं, विचारों और भावनाओं को लिखित, मौखिक या दृश्य–श्रव्य माध्यमों के जरिए सफलतापूर्वक एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाना ही संचार है और इस प्रक्रिया को अंजाम देने में मदद करने वाले तरीके संचार माध्यम कहलाते है।

संचार के विभिन्न प्रकारः–

संचार एक जटिल प्रक्रिया है। उसके कई रूप या प्रकार है जो निम्नलिखित हैं–

(क) मौखिक संचारः– एक–दूसरे के सामने वाले इशारे या क्रिया को मौखिक संचार कहते हैं। इसमें हाथ की गति, आँखों व चेहरे के भाव, स्वर के उतार–चढ़ाव आदि क्रियाएँ होती हैं।

(ख) अंतरवैयक्तिक संचारः– जब दो व्यक्ति आपस में और आमने–सामने संचार करते हैं तो इसे अंतरवैयक्तिक संचार कहते हैं। इस संचार की मदद से आपसी संबंध विकसित करते हैं और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करते हैं। संचार का यह रूप पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों की बुनियाद है।

(ग) समूह संचारः– इसमें एक समूह आपस में विचार–विमर्श या चर्चा करता है। कक्षा–समूह इसका अच्छा उदाहरण है। इस रूप का प्रयोग समाज और देश के सामने उपस्थित समस्याओं को बातचीत और बहस के जरिए हल करने के लिए होता है।

(घ) जनसंचारः– जब व्यक्तियों के समूह के साथ संवाद किसी तकनीकी या यांत्रिकी माध्यम के जरिए समाज के एक विशाल वर्ग से किया जाता है ताकि उसे अधिक–से–अधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके। रेडियो, अखबाार, टीवी, सिनेमा, इंटरनेट आदि इसके माध्यम है।

जनसंचार की विशेषताएँ

जनसंचार की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं–

- जनसंचार माध्यमों के जरिए प्रकाशित या प्रसारित संदेशों की प्रकृति सार्वजनिक होती है।
- ज्नसंचार के लिए औपचारिक संगठन होता है।

- इस माध्यम के लिए अनेक द्वारपाल होते हैं। द्वारपाल वह व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह है जो जनसंचार माध्यमों से प्रकाशित या प्रसारित होने वाली सामग्री को नियंत्रित और निर्धारित करता है।

जनसंचार के कार्यः–

जनसंचार के कार्य निम्नलिखित हैं–

- सूचना देना
- शिक्षित करना
- मनोरंजन करना
- एजेंडा तय करना
- निगरानी करना
- विचार–विमर्श के मंच

कुछ महत्वपूर्ण जनसंचार माध्यमः–

- रेडियो
- टेलीविजन
- सिनेमा
- इंटरनेट
- अखबार
- मोबाइल

द्वारा–

नवीन कुमार भारंगर

स्नातकोत्तर शिक्षक, हिन्दी

परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, नरौरा (बुलन्दशहर)